जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 188 प्रभात अजमेर, गुरुवार 6 फरवरी, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

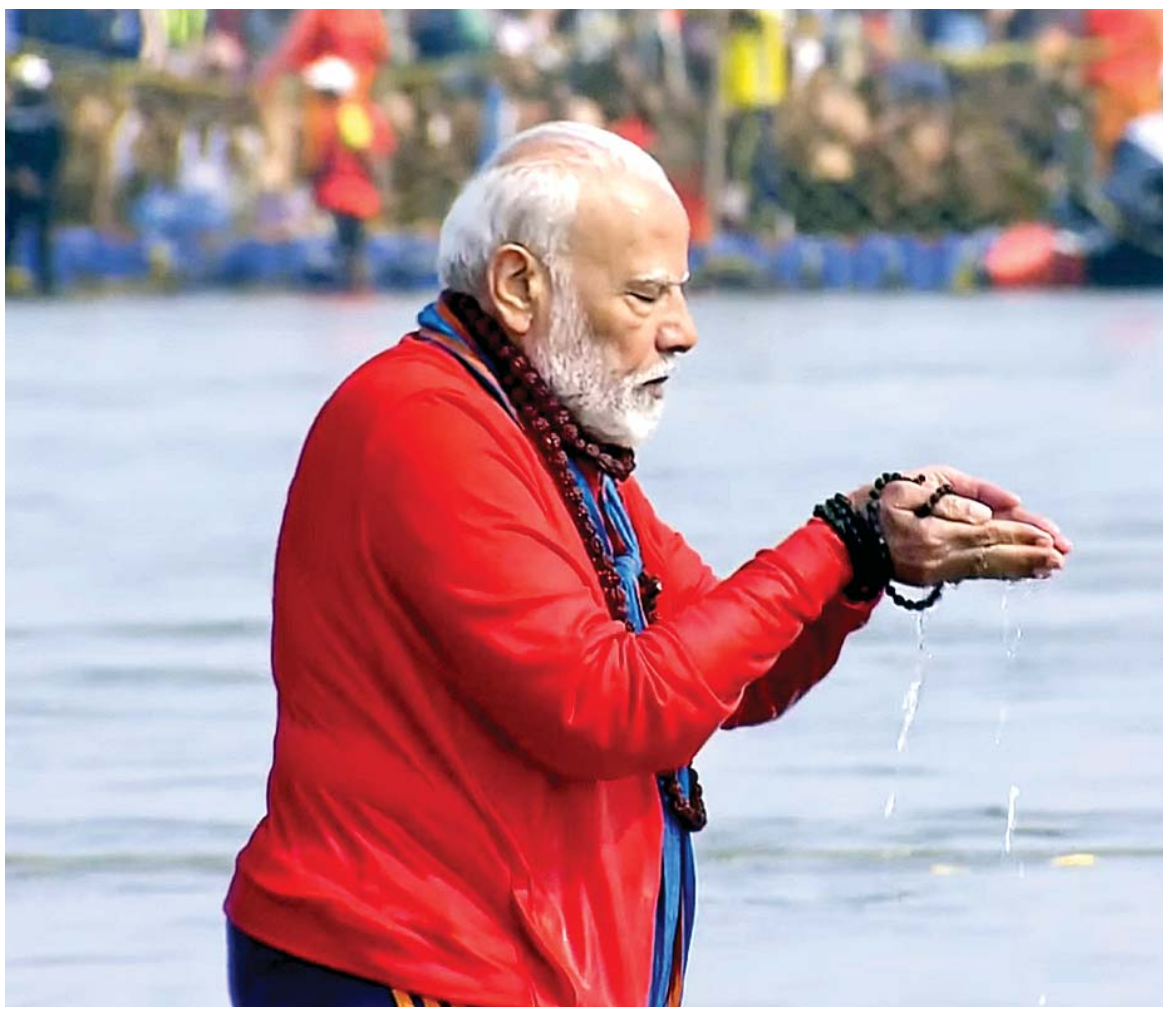

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज महाकुम्भ में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच त्रिवेणी संगम में स्नान किया। इस दौरान वे रुद्राक्ष की माला का जप करते भी नज़र आए। उन्होंने गंगा पूजन और आरती भी की। त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाने से पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधिवत् पूजा अर्चना की, जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया, सूर्य को अर्घ्य दिया और तर्पण किया। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी।

मिल्कीपुर उप चुनाव में 65 प्रतिशत वोटिंग हुई

अयोध्या, 05 फरवरी। अयोध्या जिले के मिल्कीपुर विधानसभा का उपचुनाव कड़े सुरक्षा के बीच आज शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक चला, जिसमें 65 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव में सुबह से ही धीरे-धीरे वोटों का प्रतिशत बढ़ ता गया, जो समाप्ति तक 65 प्रतिशत से अधिक हो गया। जिला निर्वाचन अधिकारी /जिलाधिकारी

- **अयोध्या जिले का मिल्कीपुर उपचुनाव भाजपा व सपा के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गया है।**

चन्द्रविजय सिंह बताया कि मिल्कीपुर क्षेत्र में मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हुआ। मतदान के दौरान जिन भी मतदान केन्द्रों पर कोई भी शिकायत प्राप्त हुई, उन पर तत्काल कार्यवाही करते हुए निस्तारण कर मतदान सुचारू रूप से चालू कराया।

गौरतलब है कि मिल्कीपुर आरक्षित उप विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी चन्द्रभानु पासवान और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजीत प्रसाद सहित, दस प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मतदाताओं ने ईवीएम में सुरक्षित कर दिया है। मिल्कीपुर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आप अंदर ही अंदर कुछ घबराई हुई सी है

पर, सार्वजनिक तौर पर यह दावा कर रही है कि वह 70 सीटों में से कम से कम 45 पर तो जीतेगी ही

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 फरवरी। दिल्ली में दिन भर हुये मतदान के बाद, भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच कड़ी टक्कर दिखाई दे रही है। भाजपा को भरोसा है कि कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के वोट अपनी ओर खींचे हैं।

विभिन्न टीवी चैनलों पर एग्ज़िट पोल्स की भविष्यवाणियाँ भाजपा का पलड़ा भारी बता रहा हैं, लेकिन इसमें चौंकने जैसी कोई बात नहीं है, क्योंकि एग्ज़िट पोल ऐसा ही करते आये हैं।

आम आदमी पार्टी आशंकित है, लेकिन अंदरूनी तौर पर फिर भी वह दावा कर रही है कि उसे दिल्ली विधानसभा चुनाव में कुल 70 सीटों में से कम से कम 45 सीटें मिलेंगी।

सूत्रों का कहना है कि केजरीवाल चुनाव हार सकते हैं क्योंकि कांग्रेस के संदीप दीक्षित ने उनकी स्थिति बिगाड़ दी है। इस कारण ऐसा हो सकता है कि नई दिल्ली से भाजपा के प्रवेश वर्मा जीत जायें। चूँकि चार दीवारी के अंदर के शहर में मतदान देर शाम तक चला है, इसलिये चुनाव आयोग द्वारा मतदान का अंतिम प्रतिशत यह समाचार लिखे जाने तक घोषित नहीं किया गया है।

दिन की समाप्ति तक, दिल्ली के चुनाव में काँटे की टक्कर रही तथा दोनों में से कोई भी पार्टी जीत का दावा छोड़ने के लिए तैयार नहीं है।

- **यह भी चर्चा है कि संभवतया अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली की सीट से चुनाव हार सकते हैं, क्योंकि कांग्रेस के उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने केजरीवाल के काफी वोट काटे हैं तथा भाजपा के प्रवेश वर्मा जीत भी सकते हैं।**
- **भाजपा, 27 साल बाद दिल्ली में सरकार बनाने के लिये बहुत उतावली है तथा आप काफी ''नर्वस'' है, क्योंकि वह विश्वासपूर्वक नहीं कह सकती है कि ई.वी.एम. की मशीन क्या नतीजा निकालेगी।**

हाल ही के चुनावों में, चुनाव आयोग ने लुक-छिपकर मतदान-प्रतिशत बढ़ाया है, लेकिन बार-बार माँग किये जाने के बावजूद, आयोग ने यह नहीं बताया है कि मतदान समाप्त होने के काफी देर बाद, मतदान प्रतिशत कैसे बढ़ गया। सत्ताईस साल के लंबे अंतराल के बाद, भाजपा पर सरकार बनाने की धुन सवार है तथा आम आदमी पार्टी इस बात को लेकर हैरान-परेशान है कि इलैक्ट्रोनिक मशीनों के अंदर क्या छिपा है।

प्रिंस आगा खान चतुर्थ का निधन

हैदराबाद, 05 फरवरी। दुनिया भर में फैले लाखों शिया इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता पद्मविभूषण प्रिंस करीम अल-हुसैनी आगा खान चतुर्थ का मंगलवार को निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे। अरबपति आध्यात्मिक नेता की चैरिटी संस्था 'आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क' ने बुधवार को जारी अपने बयान में कहा कि खान ने लिस्बन (पुर्तगाल) में अंतिम सांस ली। उनके उत्तराधिकारी के बारे में बाद में एलान किया जाएगा। वे 20 वर्ष की उम्र में इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता बने थे। वे बहुत लोकप्रिय शख्सियत थे। इसका अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अस्पतालों और स्कूलों के लिए अपनी पूरी संपत्ति दान कर दी थी। खान को इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद के वंशज के रूप में जाना जाता है। जब वह हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ ाई कर रहे थे, तब उन्होंने अपने दादा की जगह इस्माइली मुसलमानों के नेता का पद संभाला था। उनका मानना था कि उनके अनुयायियों का नेता वह होना चाहिए, जो नए जमाने में पला-बढ़ ा हो।

नवगठित 9 जिले खत्म करने के मुद्दे पर कांग्रेस ने एक बार सदन स्थगित कराया

विधानसभाध्यक्ष ने इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव पर बोलने की अनुमति देकर वापस ली तो विपक्ष ने वैल में आकर नारेबाजी की

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर, 5 फरवरी । पूववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में गठित 17 जिलों में से 9 जिले खत्म करने के मामले को लेकर बुधवार को विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। शून्यकाल में स्पीकर वासुदेव देवनानी ने इस मुद्दे पर प्रस्तुत स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति देकर वापस ले ली थी।

इससे नाराज विपक्षी विधायकों ने सदन में राज्य सरकार को घेरने की कोशिश की। कांग्रेस के तमाम विधायक हंगामा करते हुए वैल में आकर नारेबाजी करने लगे। इस कारण सदन की कार्यवाही 15 मिनट तक स्थगित भी करनी पड़ी। हालांकि, स्पीकर वासुदेव देवनानी ने इस मुद्दे पर बाद में व्यवस्था दे दी कि गुरूवार को सदन में इस स्थगन प्रस्ताव पर सिर्फ नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी और गंगापुर विधायक रामकेश मीणा को बोलने की अनुमति दी जाएगी और उसके बाद सरकार की ओर से मंत्री जवाब देंगे।

घटनाक्रम के अनुसार, बुधवार को शून्यकाल में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान में जिलों को खत्म कने के स्थगन प्रस्ताव पर बोलने की अनुमति दे दी थी। परंतु संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि यह प्रकरण राजस्थान हाईकोर्ट की डबल बैंच में लंबित है, इसलिए इस पर चर्चा नहीं करवायी जानी चाहिए। पटेल ने स्पीकर से अनुरोध किया कि जो मामला न्यायालय में लंबित एवं विचाराधीन हो और उस पर सरकार ने अपना पक्ष भी रखा हो, उसे लेकर सदन में चर्चा करना नियम के विरुद्ध होगा।

इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि केवल दो जिलों के मामले ही न्यायालय में विचाराधीन हैं, ऐसे में अन्य जिलों पर चर्चा की जा सकती है।

विधायक सुभाष गर्ग ने कहा कि बहुत सारे मामले न्यायालय में विचारधीन रहते हैं और यह सोचने का विषय है कि ऐसे तो सदन का अधिकार ही छिन जायेगा और इसका उद्देश्य ही खत्म हो जायेगा। इस पर देवनानी ने व्यवस्था देते हुए कहा कि उन्होंने सबको सुना है और आज इस मुद्दे पर चर्चा नहीं कराई जायेगी और दोनों पक्षों को चैम्बर में बुलाकर बात की जायेगी और इसका निस्तारण किया जायेगा। इस पर 12 बजकर 15 मिनट पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीटें 70 | विधानसभा चुनाव 2025 | बहुमत 36

दिल्ली का एग्जिट पोल

एजेंसी	भाजपा+	आप	कांग्रेस	अन्य
मैट्रिज़	35-40	32-37	0-1	0-0
जेवीसी	39-45	22-31	0-2	0-1
चाणक्य स्ट्रैटेजीज़	39-44	25-28	2-3	0-0
पीपल्स पल्स	51-60	10-19	0-0	0-0
पीपल्स इनसाइट	40-44	25-29	0-1	0-0
पोल डायरी	42-50	18-25	0-2	0-0
पी-मार्क	39-49	21-31	0-1	0-0
वी-प्रीसाइड	18-23	46-52	0-1	0-0
माइंड ब्रिंक	21-25	44-49	0-1	0-0
डीवी-रिसर्च	36-44	26-34	0-0	0-0
एसएएस	38-41	27-30	1-3	0-1

क्या ''अग्ली अमेरिकन'' की वापसी होगी, ट्रम्प के गाज़ा की पट्टी को ''टेक ओवर'' करने के प्लान से?

1950 व 1960 के दशक में, ऐसे ही ऊल-जलूल प्लान्स के कारण अमेरिका गुटनिरपेक्ष देशों में बहुत अलोकप्रिय था और ''अग्ली अमेरिकन'' के नाम से जाना जाता था

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 फरवरी। अपने साम्राज्यवादी मंसूबो को खुला प्रदर्शन करते हुए, ट्रम्प ने पूरी दुनिया को यह कहकर चौंका दिया कि अमेरिका युद्धग्रस्त गाज़ापट्टी का नियंत्रण अपने हाथ में ले रहा है और जब फिलीस्तीनियों का कहीं और पुनर्वास हो जाएगा तो अमेरिका इस क्षेत्र का आर्थिक विकास करेगा।

ट्रम्प की घोषणा इज़रायल फिलीस्तीनी संघर्ष के प्रति अमेरिका की पारम्परिक नीति के अंत का संकेत है। यह कदम 50 से 60 के दशक की नीति के अनुरुप है, जब अमेरिका ''नॉन एलाइन्ड'' (गुट निरपेक्ष) विश्व में बेहद अलोकप्रिय था और तब इसे अगली अमेरिका कहा जाता था। घोषित कर दी

- **ट्रम्प का ''गाज़ा स्ट्रिप'' को टेक ओवर करने का प्लान, अमेरिका की पुरानी स्थापित विदेश नीति ही नहीं, बल्कि, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित मान्यताओं के खिलाफ है। विश्व यह ही मानता आया है कि गाज़ा स्ट्रिप आने वाले समय में स्थापित होने वाले फिलिस्तीन देश का हिस्सा होगा।**

अमेरिका यात्रा पर आए इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भी इसकी भनक तक नहीं थी।

गाज़ा से फिलीस्तीनियों को पड़ौसी देशों में पुनर्वासित करने का प्रस्ताव मंगलवार को सुबह आया। जहां इज़रायल हमास के सीज़फायर का पहला दौर लागू हुआ था, उस जगह को ''डिमोलिशन साइट'' कहा जा रहा है।

अमेरिका के गाज़ा पर नियंत्रण के ट्रम्प के प्रस्ताव को अमेरिका के मित्र व विरोधी, दोनों ही ठुकरा सकते हैं। अमेरिका का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप वॉशिंगटन की लम्बे समय से चली आ रही नीति के खिलाफ है और अधिकांश देश मानते हैं कि गाज़ा भविष्य के फिलीस्तीन राष्ट्र का हिस्सा होगा, जिसमें अधिग्रहित वैस्ट बैंक भी शामिल है।

ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा, अमेरिका गाज़ा पट्टी का नियंत्रण अपने हाथ में लेगा तथा ऐसे सभी बम नष्ट कर दिए जाएंगे, जो फटे नहीं है और वहां पड़े हथियार भी नष्ट कर देंगे, हम इसका विकास करेंगे और वहां रोजगार के अवसर पैदा करेंगे, जिस पर सारे मिडिल ईस्ट को गर्व होगा।'

ट्रम्प ने कहा, मुझे लगता है हमें लम्बे समय तक उसका मालिकाना हक मिलेगा और मुझे यकीन है इससे वहां भारी स्थिरता आएगी।'' उन्होंने कहा, वे क्षेत्रीय नेताओं से इस बारे में बात कर चुके हैं, उन्होंने पूर्ण समर्थन दिया है।

यह पूछने पर कि वहाँ कौन रहेगा, ट्रम्प ने कहा कि वह ''दुनिया के लोगों'' का घर बन सकता है।

भारत ने अभी तक ट्रम्प की घोषणा पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इसी बीच, राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने अवैध प्रवासियों के निष्कासन के लिये जो अभियान छेड़ा है, उसके तहत 205 निष्कासित भारतीयों को लेकर आने